Parvat Pradesh Mein Pavas Previous Year Questions

(with model answers)

प्रश्न 1 – 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में वर्णित पर्वतीय प्रदेश की सुंदरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। [CBSE 2024]

उत्तर – कवि ने इस कविता में पर्वतीय प्रदेश की सुंदरता का वर्णन इतने अद्‌भुत तरीके से किया है कि ऐसा लग रहा है मानो प्रकृति सजीव हो उठी है। पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु के प्रवेश से प्रकृति के रूप में बार बार बदलाव आ रहा है अर्थात कभी बारिश होती है तो कभी धूप निकल आती है। पहाड़ों पर उगे हजारों फूल ऐसे लग रहे हैं जैसे पहाड़ अपनी हजार पुष्प रूपी आंखें फाड़ कर नीचे विशाल आईने रूपी तालाब के जल में अपने विशाल आकार को देख रहे हैं। मोतियों की लड़ियों के समान सुंदर झरने की करतल ध्वनि नस नस में उत्साह अथवा प्रसन्नता भर देती है। पर्वतों पर उगे हुए पेड़ शांत आकाश को ऐसे देख रहे हैं जैसे वो उसे छूना चाह रहे हों। ऐसा लगता है जैसे वे हमें निरन्तर ऊँचा उठने की प्रेरणा दे रहे हैं। चारों ओर धुँआ होने के कारण लग रहा है कि तालाब में आग लग गई है। ऐसा लग रहा है कि ऐसे मौसम में इंद्र भी अपना बादल रूपी विमान ले कर इधर उधर जादू का खेल दिखता हुआ घूम रहा है।

प्रश्न 2 – 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में आई पंक्ति "हैं झाँक रहे नीरव नभ पर" का आशय स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2023]

उत्तर – 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में आई पंक्ति "हैं झाँक रहे नीरव नभ पर" का आशय यह है कि जिस तरह पर्वतीय क्षेत्रों में पहाड़ों के हृदय से उठ-उठ कर अनेकों पेड़ ऊँचा उठने की इच्छा लिए एक टक दृष्टि से स्थिर हो कर शांत आकाश को इस तरह देख रहे हैं, मनो वो किसी चिंता में डूबे हुए हों। अर्थात वे पेड़ हमें निरन्तर ऊँचा उठने की प्रेरणा दे रहे हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि हमें पेड़ों की तरह स्थिर हो कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न 3 – 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर लिखिए कि शाल के वृक्ष कहाँ चले गए और क्यों। [CBSE 2023]

उत्तर – 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर प्रकृति का भयानक रूप देख कर शाल के पेड़ डर कर धरती के अंदर धंस गए हैं। क्योंकि तेज बारिश के बाद पर्वतीय क्षेत्र में मौसम ऐसा हो गया है कि घनी धुंध के कारण लग रहा है मानो पेड़ कही उड़ गए हों अर्थात गायब हो गए हो। ऐसा लग रहा है कि पूरा आकाश ही धरती पर आ गया हो केवल झरने की आवाज़ ही सुनाई दे रही है।

प्रश्न 4 – कवि ने झरने के 'झर-झर' स्वर में क्या कल्पना की है? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए। [CBSE 2022]

उत्तर – 'पर्वतीय प्रदेश में पावस' कविता में झरनों का वर्णन अत्यधिक सुन्दर तरीके से किया गया है। कविता में बताया गया है कि झरने मोतियों की लड़ियों के समान सुंदर, झर झर की आवाज करते हुए बह रहे हैं, ऐसा लग रहा है की वे पहाड़ों का गुणगान कर रहे हों। उनकी करतल ध्वनि नस नस में उत्साह अथवा प्रसन्नता भर देती है।

प्रश्न 5 – 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की तुलना किससे की गई है, और क्यों? [CBSE 2020]

उत्तर – 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की तुलना किसी बड़े दर्पण से की गई है क्योंकि बारिश के बाद तालाब में पानी पूरा भर गया है और बिलकुल साफ़ पानी है। जिसमें पर्वत का प्रतिबिम्ब साफ़ दिखाई दे रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पहाड़ अपनी हजार पुष्प रूपी आंखें फाड़ कर नीचे जल में अपने विशाल आकार को देख रहे हैं। इसी दृश्य को देख कर कवि ने कल्पना की है

कि पहाड़ ने जिस तालाब को अपने चरणों में पाला है वह तालाब पहाड़ के लिए विशाल आईने का काम कर रहा है।

प्रश्न 6 – वर्षा ऋतु में प्रकृति का रूप किस प्रकार परिवर्तित होता है? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2019]

उत्तर – वर्षा ऋतु में मौसम हर पल बदलता रहता है। कभी तेज़ बारिश आती है तो कभी मौसम साफ हो जाता है। पर्वत अपनी पुष्प रूपी आँखों से अपने चरणों में स्थित तालाब में अपने आप को देखता हुआ प्रतीत होता है। बादलों के धरती पर आ जाने के कारण ऐसा लग रहा है कि जैसे आसमान धरती पर आ गया हो और कोहरा धुएं की तरह लग रहा है जिसके कारण लग रहा है कि तालाब में आग लग गई हो।

For the complete set of previous year questions of Parvat Pradesh Mein Pavas, Click Here

Parvat Pradesh Mein Pavas Summary, Word meanings, Click Here

Parvat Pradesh Mein Pavas Important Questions, Click Here

Parvat Pradesh Mein Pavas MCQs, Click Here

Sparsh Book Word meanings of all lessons, Click Here

Sparsh Book Character Sketches, Click Here